रजिस्ट्रेषन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के पी सिटी– 67/2021–23

अधिकार किसको जानने के लिए भारत सरकार की वेबसाइट www.dhr.gov.in लॉगिन कर क्लिक करें अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा गज़ट पढ़ने हेतु log in करें www.behm.org.in

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निष्पक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127/204 'एस' जूही, कानपुर–208014
सम्पर्क सूत्र :– 9450153215 , 9415074806 , 9415486103

वर्ष – 45 ● अंक – 3 ● कानपुर 1 से 15 फरवरी 2023 ● प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य ₹ 100

एक अटल सत्य इलेक्ट्रो होम्योपैथी को सरकारी संरक्षण शीघ्र मिलेगा

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति को जन जन तक पहुँचाना मुख्य प्राथमिकता
अधिकार पूर्वक कार्य के लिये , राज्य में प्रचलित कानूनों का पालन करना होगा
प्रतिस्पर्धा में टिके रहने के लिये साक्षों एवं सूचनाओं को संकलन की आवश्यकता
कार्य संस्कृति बड़ी तेज़ी के साथ बदल रही है
नवीन जानकारियों से रहना होगा अपडेट

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के कदम लगातार सरकारी संरक्षण की तरफ़ बढ़ रहे हैं और जो काम वर्षों में संभावित था वह काम अब कुछ ही महीनों में हो जाना है, इस कार्य के लिए उन सभी लोगों को साधुवाद जिनका विश्वास और श्रद्धा इलेक्ट्रो होम्योपैथी से जुड़ी रही और उसी का परिणाम है कि हमारे साथियों की वर्षों की प्रतीक्षा का समय अब समाप्त होने की कगार पर है यह विचार इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा0 एम0 एच0 इदरीसी ने व्यक्त किये, डा0 इदरीसी ने कहा कि तमाम उतार चढ़ाव के बाद इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आन्दोलन को ज़िन्दा रखा और लगातार राज्य और केन्द्र सरकार पर इस बात का दबाव डाला कि अन्य चिकित्सा पद्धतियों की भाँति इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति को भी शासकीय संरक्षण प्राप्त हो जिससे कि इस विधा से जुड़े चिकित्सकों का मनोबल ऊँचा हो और उनके कार्यों का उचित मूल्यांकन हो, निःसन्देह यह चिकित्सा पद्धति गुणकारी और लाभकारी है और इस विधा के चिकित्सक अपनी पूरी क्षमता के साथ कार्य भी कर रहे हैं कार्य करते हुए समाज को लाभ भी पहुँचा रहे हैं परन्तु किसी शासकीय मूल्यांकन इकाई के गठित न होने के कारण हमारे चिकित्सकों को उनकी योग्यता का पूर्ण लाभ नहीं मिल पा रहा है।

यद्यपि 21 जून, 2011 को भारत सरकार के स्वास्थ्य मन्त्रालय के एक महत्वपूर्ण आदेश पारित होने से इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया को एक स्वतन्त्र नियामक संगठन का स्तर प्राप्त हो गया है, इसी के साथ पूरे देश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी की शिक्षा, चिकित्सा व अनुसंधान के अवसर भी प्रदान किये गये हैं परन्तु अभी भी पूर्ण संरक्षण की आवश्यकता है इस हेतु इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया लगातार भारत सरकार के सम्पर्क में रही, पत्र व्यवहार व व्यक्तिगत सम्पर्क के माध्यम से अपनी बात कही गयी 28 फरवरी, 2017 को भारत सरकार ने जो पत्र जारी किया वह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि सरकार इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए सकारात्मक रूख अपनाये हुए है और हम इस बात के लिए आश्वस्त हैं कि आने वाले कुछ महीनों में ही कुछ महत्वपूर्ण निर्णय होंगे जिसमें इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया निर्णायक भूमिका में होगी।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुऐ महासचिव डा0 अतीक अहमद ने कहा कि वर्षों की प्रतीक्षा समाप्त हो गयी है अब हम सब को सुखद दिनों के आनन्द का अवसर मिलने वाला है, यही वह समय है जब हम सबको अपने निर्णयों पर विशेष ध्यान देना होगा और सिर्फ़ पैथी हित के लिए ही सोचना होगा डा0 अतीक अहमद ने इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया के गठन और उसकी स्थापना पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि अलग अलग चिकित्सकों को एक सूत्र में बांधने व उनके अधिकारों को दिलाने के उद्देश्य से इस संगठन का गठन किया गया जब यह संगठन अस्तित्व में आया था तब शायद किसी ने यह कल्पना भी नहीं की थी कि आने वाले दिनों में यही एक मात्र ऐसा संगठन होगा जो इलेक्ट्रो होम्योपैथी की दिशा और दशा बदलने में निर्णायक भूमिका का निर्वाहन करेगा, हम आज इस अवसर पर अपने उन सभी साथियों को धन्यवाद ज्ञापित करना नहीं भूलेंगे जिनका सहयोग और समर्थन हमें प्राप्त होता रहा है और अपने चिकित्सक साथियों का भी धन्यवाद जो हर स्थिति में हमसे जुड़े रहे यह सब आपके प्यार का परिणाम है जो एक संगठन के रूप में आपके सामने है, मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि आने वाला समय इलेक्ट्रो होम्योपैथी का ही है डा0 अतीक ने कहा कि अब वह समय आने वाला है जब हम सबको अपने अपने दायित्वों का पालन ईमानदारी के साथ करना होगा।

कार्यक्रम को विचार देते हुए इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया के संयुक्त सचिव डा0 मिथ्लेश कुमार मिश्रा ने कहा कि संगठन का काम सबसे

कठिन होता है हर एक के विचारों से तालमेल बैठालना बहुत मुश्किल होता है परन्तु आप सबके सहयोग से मैं अपने आपको धन्य मानता हूँ कि इतने विशाल संगठन में कहीं मतभेद नहीं है और यही एकजुटता हमें कार्य करने के लिए प्रेरणा देती है, मैं आभारी हूँ अपने संगठन के अध्यक्ष जी का जिन्होंने हम पर भरोसा किया और इतना महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा आज हम कह सकते हैं कि आने वाला समय इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति का है, जिस गति से सरकारी कार्यवाही चल रही है वह इस बात का संकेत दे रही है कि प्रतीक्षा की घड़ियां समाप्त हो चुकी हैं और एक सुखद स्थिति की तरफ़ हम बढ़ रहे हैं।

अध्यक्ष डा0 इदरीसी ने आये हुये सभी सहभगियों को धन्यवाद देते कहा कि आप सबको बधाई इस अपेक्षा के साथ कि आने वाला समय हम सबके लिए आनन्द दायक है।

मन व मस्तिष्क दोनों बदलने होंगे

इलेक्ट्रो होम्योपैथी की जब भी कहीं कोई बात चलती है तो समस्याओं की चर्चा अपने आप ही होने लगती है तब यह लगने लगता है कि समस्यायें इलेक्ट्रो होम्योपैथी में हैं या इलेक्ट्रो होम्योपैथी के कर्ता–धर्ताओं में ! समस्यायें कहीं नहीं होती हैं ? तो इसका उत्तर आयेगा जब तक जीवन है और जीवन में किसी उद्देश्य को प्राप्त करने का लक्ष्य है तो समस्याओं से हमारा सामना तो होता ही रहेगा लेकिन समस्याओं से डर कर हम अपनी दिशा ही बदल दें या लक्ष्य से हट जायें तो यह किसी समस्या का समाधान नहीं होगा, यदि हम इलेक्ट्रो होम्योपैथी की समस्याओं पर गम्भीरता पूर्वक विचार करें तो एक बात तो एकदम स्पष्ट हो ही जाती है कि समस्यायें पद्धति में या पद्धति में नहीं हैं अपितु समस्याओं की जड़ में हमारी अधकचरी सोच है, सब कुछ पाने के बाद भी कुछ न पाने जैसा व्यवहार करना ! यह किस बात का प्रदर्शन है ? यह शायद समझ से परे है, पिछले कुछ वर्षों से इलेक्ट्रो होम्योपैथी में एक ऐसा वर्ग ज़्यादा सक्रिय हो गया है जिसका विश्वास कर्म से ज़्यादा अधिकार प्राप्त कर लेने में है और अधिकार भी व्यक्तिगत होने की लालसा रखते हैं, यही एकमात्र कारण है जो समय लम्बा खिंचता जा रहा है और समस्याओं का निदान नहीं हो पा रहा है कभी–कभी तो ऐसा लगने लगता है कि क्या यह अन्तहीन समस्यायें हैं! तभी मन कहता है कि ऐसी कोई समस्या अभी तक पैदा नहीं हुयी जिस समस्या का समाधान न हो और समाधान में अस्तु , किन्तु और परन्तु का कोई स्थान होता ही नहीं है देखा जाये तो अब समस्या है ही कहाँ ! जो भी समस्यायें हम देख रहे हैं या महसूस कर रहे हैं वे सारी की सारी हमारे द्वारा ही तो पैदा की गयी हैं, अगर हम मन से स्थिर हो जायें और स्वयं पर विश्वास करने लगें तो शनै–शनै समस्यायें स्वयं ही समाप्त होने लगेंगी, स्वयं द्वारा निर्मित कुछ समस्याओं पर प्रकाश डाल रहे हैं, सबसे महत्वपूर्ण समस्या है अधिकार पूर्वक प्रैक्टिस करने की यह कोई समस्या नहीं है– 21 जून, 2011 का आदेश राष्ट्रीय स्तर पर कार्य करने का अधिकार देता है, 04 जनवरी 2012, 02 सितम्बर 2013, 14 मार्च 2016 हमें प्रदेश में अधिकार पूर्वक कार्य करने के पूर्ण अवसर प्रदान कर रहे हैं, अब जब हम स्वयं ही इन अवसरों का लाभ नहीं उठाना चाहते हैं तो किसी का क्या दोष ? न्यायालय का आदेश है जिसपर शासन की मुहर भी है कि जो चिकित्सक प्रदेश में चिकित्सा व्यवसाय करना चाहता है उसे अपने जनपद के सम्बंधित चिकित्सा अधिकारी कार्यलय में जाकर अपनी योग्यता, अर्हता एवं पंजीकरण सम्बन्धित जानकारी सम्बन्धित अधिकारी को देनी चाहिये जिसे आम भाषा में जनपदीय पंजीयन का नाम दिया गया है इससे यदि हम कतरायेंगे तो समस्यायें तो जन्म लेंगी ही अब आप स्वयं ही निर्णय करें कि समस्या खुद की पैदा की हुयी है कि नहीं ? अब इसी विषय को लेकर व्यर्थ का विवाद करना कहाँ की समझदारी है ?

दूसरी बड़ी समस्या है और यही समस्या सारी समस्याओं की जननी भी है यह समस्या है संस्थाओं के संचालन की, 25 नवम्बर, 2003 का आदेश आने से पहले प्रदेश में लगभग 3 दर्जन शीर्ष संस्थायें और लगभग 350 से ऊपर विद्यालय संचालित हो रहे थे अब अधिकार किसी एक संस्था के पास निहित हैं बाकी अधिकारों के लिये परेशान हैं, यह समस्या भी कोई समस्या नहीं है, भारत में लोकतंत्र है हर व्यक्ति को कार्य करने का अधिकार है, वर्ष 2004 में न्यायालय का एक आदेश आया कि चिकित्सा प्रमाणपत्र देने वाली सभी संस्थायें अपने पंजीयन का आवेदन शासन में करें अब हर एक संस्था संचालक के पास सुनहरा अवसर था कि शासन में पंजीयन हेतु आवेदन करता और आदेश प्राप्त कर लेता फिर अधिकार पूर्वक कार्य करता ऐसे में समस्या कहाँ थी ? लेकिन लोगों ने ऐसा नहीं किया और अपने लिये स्वयं ही समस्यायें पैदा कर लीं।

जो लोग व्यर्थ का प्रलाप करते हैं कि सरकार हमें कोई अवसर नहीं दे रही है ऐसे लोग भोले–भाले इलेक्ट्रो होम्योपैथों को दिशाभ्रमित कर रहे हैं, सरकार किसी से भेद– भाव नहीं करती है हर एक को कार्य करने का पूर्ण अवसर प्रदान करती है आप ही अवसर लेना न चाहें तो कोई क्या करेगा ? देश और प्रदेश में कार्य करना है तो प्रचलित कानूनों का पालन तो करना ही पड़ेगा।

तीसरी समस्या है स्वयं को स्थापित करने की ! यह भी कोई समस्या की श्रेणी में नहीं आती है क्योंकि स्थापित होने के लिये कार्य करके स्वयं को प्रमाणित करना पड़ता है यदि हमारा कार्य जनोपयोगी है तो हमारी पूछ स्वयं ही हो जायेगी किसी शायर की यह पंक्तियां कि–

खुद ही को कर बुलन्द इतना कि हर तदबीर से पहले –
खुदा बन्दे से खुद पूछे बता तेरी रज़ा क्या है ?

" गीता में भी भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है–"

कर्म करो !
फल की चिन्ता मत करो !!

इलेक्ट्रो होम्योपैथी से काम करने के लिये 25 नवम्बर, 2003 काम करने की तो निर्देशिका है, 05–05–2010 शंकाओं का समाधान है और 21 जून, 2011 भारत सरकार द्वारा जारी अधिकार पत्र है इसके उपरान्त भी कार्य कैसे करें ? यह पूछना समस्याओं को जन्म देने जैसा है। किसी ने होम्योपैथी, सिद्धा और सोवा–रिग्पा जैसी चिकित्सा पद्धतियों के मान्यता के बारे में सरकार से प्रश्न किया कि इन पद्धतियों की मान्यता सरकार ने किन परिस्थितियों में दी है ? इसी तरह का एक प्रश्न कि डा0 लिखने का अधिकार किस–किस को है ? जवाब आया 25 नवम्बर, 2003 का अवलोकन करें।

यह सारे उदाहरण यह सिद्ध करते हैं कि समस्यायें कहीं नहीं हैं और समस्या अगर कहीं है तो वह हमारे मन – मस्तिष्क में है।

इसलिये मन व मस्तिष्क को स्थिर रखते हुये सिर्फ़ काम करें और समस्याओं को जन्म न दें।

भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा दिनांक 28 फरवरी, 2017 को जारी इलेक्ट्रो होम्योपैथी सहित गैर मान्यता प्राप्त चिकित्सा पद्धतियों को मान्यता प्रदान करने हेतु अन्तरविभागीय समिति द्वारा संस्तुति अनन्तिम निष्कर्ष

Conclusion

In the two-day meeting held by the Inter-Departmental Committee (IDC) with the representatives of a large number of electrohomoeopathy organisations / individuals – seeking recognition of electrohomoeopathy as a system of medicine – the committee critically examined various documents submitted by them, and also saw the 'Presentations' made before it. The committee had very lengthy and in-depth discussions with them, where each of them was heard in much detail by the committee. However, the committee has found most of the submissions not adequately justified *vis-a-vis* the seven criteria, which the IDC has been following for appraising any proposal, seeking recognition of alternative systems / therapies. As IDC has, by now, already deliberated on the issue four times, and that extensively, with the representatives of the applicant organisations, it has made it clear in the meeting that the committee will now deliberate the matter among themselves only, without any further participation from the applicant organisations, in order to arrive at a decision in the matter. And, for this purpose, the committee decided to extend one last chance to the applicant organisations to submit additional information, documents, etc., which the committee specifically asked each of participating organisations to submit, and that within a period of four weeks, and which all of them have agreed to do.

Thus, the precise action points that have emerged from the very detailed discussions in the meeting are as under:

i. All the electrohomoeopathy organisations / individuals, who participated in the meeting on two days, will submit, within a period of four weeks, further scientific information, data, evidence, documents, publications, etc., which the IDC advised each of them to do, and which the committee requires for proper appraisal of the proposal, seeking recognition of Electrohomoeopathy as a system of medicine.

ii. Thereafter, IDC will hold its exclusive meeting(s), as expeditiously as possible, to examine these additional information/documents, etc., and to review the entire issue in order to arrive at a decision in the matter, and to take action to submit its report to the Government.

धूम – धाम से मनायी गयी सुभाष जयन्ती

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 में परम्परा ढंग से सुभाष जयन्ती मनायी गयी, सर्वप्रथम बोर्ड के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी ने नेता जी सुभाष चन्द्र बोस को माल्यार्पण किया तत्पश्चात रजिस्ट्रार डा0 अतीक अहमद व बोर्ड के अन्य स्टाफ ने माल्यार्पण व पुष्प अर्पित किये।

B.E.H.M. U.P. के चेयरमैन डा0 एम0एच0 इदरीसी नेता जी सुभाष चन्द्र बोस को माल्यार्पण करते हुये

इस अवसर पर बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी ने नेता जी सुभाष चन्द्र बोस के जीवन पर प्रकाश डाला

तुम मुझे खून दो
मैं तुम्हें आजादी दूंगा

का वास्तविक अर्थ बताया, डा0 इदरीसी ने बताया कि आज़ादी का बिगुल कानपुर में पहले बजा धीरे–धीरे इसने एक क्रान्ति का रुप ले लिया नेता जी का साथ कानपुर की मशहूर हस्ती एवं पेशे से चिकित्सक डा0 लक्ष्मी सहगल ने उस समय तक दिया जब नेता जी का जहाज़ क्रैश हुआ था कानपुर की ही एक अन्य जुझारु मानवती आर्या के नाम से जाना जाता है उनके साथ थीं इसके बाद अन्य वक्ताओं ने भी अपने अपने विचार रखे, कार्यक्रम में डा0 मिथलेश कुमार मिश्रा, श्री अनुज शुक्ला, श्री शुभम ने भाग लिया कार्यक्रम का संचालन डा0 अतीक अहमद ने किया।

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0

(स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आदेश प्राप्त, इहमाई द्वारा अनुमोदित)

8— लालबाग, कमला शर्मा मार्ग, लखनऊ—226001

प्रशा0 कार्यालय : 127/204 "एस" जूही, कानपुर—208014

जनपद इलेक्ट्रो होम्योपैथिक प्रभारियों की सूची

क्रम	फोटो	नाम	जनपद	पता	मोबाईल
01		EHडा0 गौरव द्विवेदी	उन्नाव	469/2 वृन्दावन कालोनी, उन्नाव—209801	9935332052
02		EHडा0 रमेश कुमार द्विवेदी	रायबरेली	छजलापुर,आई0टी0आई0 रायबरेली—229010	9307885280
03		EHडा0 अमित कुमार विश्वकर्मा	लखीमपुर	ओदरहना, महेबागंज, लखीमपुर—261506	7398153468
04		EHडा0 सैयद नदीम हुसैन	जौनपुर	97—ए ओलन्दगंज, राजबहादुर कटरा, जौनपुर—222001	8299202529
05		EHडा0 विनय कुमार श्रीवास्तव	महाराजगंज	हमीद नगर, नौतनवां, महाराजगंज—273164	9453914181
06		EHडा0 मुहम्मद इसरार खान	फिरोज़ाबाद	एरांव रोड, सिरसागंज, फिरोजाबाद—283151	9634503421
07		EHडा0 नेम सिंह बघेल	हाथरस	विवेक क्लीनिक,आगरा बाईपास रोड, सादाबाद, हाथरस—281306	8791443887
08		EHडा0 गणेश सिंह	हमीरपुर	सुमेरपुर, सागर रोड, हमीरपुर	9838714509
09		EHडा0 गया प्रसाद	जालौन	सुजानपुर, बरखेरा, जालौन—285203	8874429538
10		EHडा0 बृज किशोर वर्मा	अलीगढ़	गली न0—2, गोविन्द नगर, नौरंगाबाद, अलीगढ़—202001	9639520078
11		EHडा0 वकील अहमद	फतेहपुर	खम्बापुर, फतेहपुर—212601	8115210751
12		EHडा0 अयाज़ अहमद	मऊ	के0 जी0 एस0 ग्रामीण बैंक के नीचे वलीदपुर, मऊ—276405	9305963908
13		EHडा0 रश्मी पत्नी श्री दीप नारायण	कानपुर देहात	आस्तिक मुनी मंदिर के सामने, ग्राम व पोस्ट कोरियाँ, कानपुर देहात पिनकोड—209206	6394083854
14		EHडा0 मो0 अखलाक़	इटावा	128 — कटरा पुर्दल खान, इटावा —206001	7417775346
15		EHडा0 सैयद तुफ़ैलुर रहमान	अयोध्या (फैज़बाद)	सादात , रौनही अयोध्या (फैज़बाद)—224182	9956081159

क्षेत्रीय कार्यालय

कानपुर
बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन,उ0प्र0
127/204 "एस" जूही, कानपुर—208014
सम्बद्ध मण्डल
↓
कानपुर, चित्रकूटधाम, झाँसी, आगरा, अलीगढ़, मेरठ, प्रयागराज, विन्ध्यांचल एवं वाराणासी

लखनऊ
बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन,उ0प्र0
8— लाल बाग, कमला शर्मा मार्ग, लखनऊ—226001
सम्बद्ध मण्डल
↓
लखनऊ, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, अयोध्या, देवीपाटन, बस्ती, गोरखपुर एवं आज़मगढ़

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0

(स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आदेश प्राप्त, इहमाई द्वारा अनुमोदित)

8– लालबाग, कमला शर्मा मार्ग, लखनऊ–226001

प्रशा0 कार्यालय : 127/204 "एस" जूही, कानपुर–208014

website- www.behm.org.in Email: registrarbehmup@gmail.com

प्रवेश सूचना

F.M.E.H. दो वर्ष (चार सेमेस्टर) – इण्टरमीडियेट अथवा समकक्ष

G.E.H.S. चार वर्ष+(1 वर्ष इन्टर्नशिप) – 10+2 जीव विज्ञान अथवा समकक्ष

P.G.E.H. दो वर्ष – G.E.H.S अथवा चिकित्सा स्नातक

C.E.H. एक वर्ष – हाई स्कूल अथवा समकक्ष

A.C.E.H. एक सेमेस्टर – किसी भी चिकित्सा पद्धति में न्यूनतम दो वर्ष का पाठ्क्रम उत्तीर्ण (इलेक्ट्रो होम्योपैथी 30 अप्रैल, 2004 से पूर्व/पैरा मेडिकल /किसी राजकीय चिकित्सा परिषद द्वारा पंजीकृत/ सूचीकृत चिकित्सक)

विस्तृत जानकारी हेतु बोर्ड की अधिकृत संस्थाओं से सम्पर्क करें अथवा **www.behm.org.in पर log in** करें।

LIST OF AUTHORISED INSTITUTIONS

Code	Name of Institute	Address	District	Name of Principal	Name of Manager	Mobile No.
01	Aahish Electro Homoeopathic Medical Insitute	Chaglapur, Po: I.T.I.,Door Bhash Nagar	RAIBARELI	Dr. P. N. Kushwaha	Dr. P. N. Kushwaha	9935318306
03	Awadh Electro Homoeopathic Medical Insitute	Shri Om Sai Dham,Indirpuri Colony,Sitapur Road	LUCKNOW	Dr. R. K. Kapoor	Smt. Sunita Kapoor	8299165010
05	Bhagwan MahaveerElectro Homoeopathic Insitute	Pan Dareeba	JAUNPUR	Dr. Pramod Kr. Maurya	Smt. Sushila Maurya	9451162709
06	Maa sarju Devi Electro Homoeopathic Medical Insitute	2537, Mishrana	LAKHIMPUR	Dr. R. K. Sharma	Dr. R. K. Sharma	8115545675
11	Chandpar Electro Homoeopathic Medical Insitute	Anjan Shaheed	AZAMGARH	Dr. Mushtaq Ahmad	Dr. Iftekhar Ahmad	9415358163
13	Azad Electro Homoeopathic Medical Insitute	Kintoor	BARABANKI	Dr. Habib-ur Rahman	Dr. Habib-ur Rahman	8052791197
15	Electro Homoeopathic Medical Insitute	Mahmanshah, Near Charkhamba	SHAHJAHANPUR	Dr. Ammar-Bin-Sabir	Dr. S.A. Siddique	9336034277
16	Shahganj Electro Homoeopathic Medical Insitute	Khas Bhadi, Shahganj	JAUNPUR	Dr. S. N. Rai	Dr. Rajendra Prasad	9450088327
17	Prema Devi Electro Homoeopathic Medical Institute	Siddhasth Children Campus, Arya Nagar	SIDDHARTH NAGAR	Dr. Ved Prakash Srivastav	Dr. V.P. Srivastav	9415689294

LIST OF AUTHORISED STUDY CENTRES

Code	Head of Centre	Address	District	Mobile No	E-mail
51	Dr. Adil M. Khan	Parsauni Kala,Padrauna	KUSHI NAGAR	9836131988	WhatsApp No: 7985063850
52	Dr. Pradeep Kumar Srivastava	8/366 Tube Well Colony	DEORIA	9415826491	
53	Dr. Bhoop Raj Shrivastava	120-Basheerganj	BAHRAICH	9451786214	
55	Dr. Ayaz Ahmad	Beneath K.G.S. Gramir Bank, Walidpur	MAU	9305963908	
56	Dr. Gaya Prasad	Aarti Electro Homoeopathic Study Centre, Barkhera	JALAUN	8874429538	
57	Dr. N. Bhushan Nigam	B.K.E.H. Study Centre, Patkana	HAMIRPUR	9889426312	
59	Dr. Mohammad Israr Khan	Araw Road, Sirsaganj	FIROZABAD	9634503421	
60	Dr. Mohd. Akhlak Khan	128- Katra Purdal Khan	ETAWAH	7417775346	
61	Dr. Shiv Kumar Pal	Prem Nagar, Dak Banglow Bye Pass Road	FIROZABAD	9027342885	
62	Dr. Prince Srivastav	Hameed Nagar Ward No-3, Nautanwa	MAHARAJGANJ	7398941680	mpsr31@gmail.com
63	Dr. Ram Autar Kushwaha	Kushwaha Electro Homoeopathic Clinic & Study centre	KANPUR	9793261649	

LIST OF AUTHORISED STUDY/GUIDENCE CENTRES OTHER STATE

Code	Head of Centre	Address	District	Mobile No	E-mail
81	Dr. Devendra Singh	374/4 Shahid Bhagat Singh Colony, Karawal Nagar	DELHI-110090	9818120565	9873609565

LIST OF AUTHORISED EXAMINATION CENTRES

Code	Head of Centre	Address	District	Mobile No	E-mail
91	Dr. P. K. Ragahav	Khurja	BULAND SHAHAR	9837897021	
92	Dr. S.K. Saxena	Parker College Road	MORADABAD	8171869605	
93	Electro Homoeopathic Exam	Registrar B.E.H.M. U.P. Kanpur Campus	KANPUR	0512-2970704	
95	Dr. Vikas	303/6 Gyan Nagar, Purkhas Road	SONIPAT-131001	9639300426	7302653934

Registrar

बी0ई0एच0एम0 के लिए डा0 अतीक अहमद द्वारा गजट प्रेस 126 टी/22 'ए' रामलाल का तालाब, जूही, कानपुर–208014 से मुद्रित एवं मिथलेश कुमार मिश्रा द्वारा कम्प्यूटराइज्ड करा कर 9/1 पीली कालोनी, जूही, कानपुर–208014 से प्रकाशित किया।